This question paper contains 2 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

# 7750

## M.A. (एम.ए.) / II A

### HINDI (हिन्दी) – Paper 9 (प्रश्नपत्र 9)

### (हिन्दी नाटक)

### (प्रवेश वर्ष 2000 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' ('स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' एवं नॉन फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं । वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षा-फल तैयार करते समय किया जायेगा ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) लोभ पाप को मूल है, लोभ मिटावत मान ।
लोभ कभी नहीं कीजिए, यामैं नरक निदान ।।

**अथवा**

तुम मालव हो और यह मागध, यही तुम्हारे मान का अवसान है न ? परंतु आत्म-सम्मान इतने से ही संतुष्ट नहीं होगा । मालव और मागध को भूलकर, जब तुम आर्यवर्त्त का नाम लोगे तभी वह मिलेगा । 7

(ख) उस दिन यह सिद्ध हुआ
जब कोई भी मनुष्य अनासक्त होकर
चुनौती देता है इतिहास को,
उस दिन नक्षत्रों की दिशा बदल जाती है !
नियति नहीं है पूर्व निर्धारित
उसको हर क्षण मानव-निर्णय बनाता-मिटाता है ।

**अथवा**

सब-के-सब ! एक-से ! बिल्कुल एक-से हैं आप लोग !
अलग-अलग मुखौटे, पर चेहरा ?
चेहरा सबका एक ही ! 7

2. "'अंधेर नगरी' हमेशा ही एक प्रासंगिक नाटक रहा है ।" – इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

**अथवा**

"'अंधेर नगरी' के नाट्य रूप में आधुनिक नाट्य विधान और प्राचीन नाट्य-रूढ़ियों का समुचित प्रयोग किया गया है ।" विचार कीजिए । 12

3. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में नायकत्व की समस्या पर विचार कीजिए ।

**अथवा**

"'अंधायुग' युद्धोपरान्त भावभूमि की रचना है ।" इस कथन का विवेचन कीजिए । 12

4. "'आधे-अधूरे' घर की तलाश का नाटक है ।" समीक्षा कीजिए ।

**अथवा**

'आधे-अधूरे' की रंगभाषा पर प्रकाश डालिए । 12